पीडियाट्रिक एंडोक्रिनोलॉजी तथ्य चार्ट

संवैधानिक विकास में देरी और पारिवारिक छोटा कद: परिवारों के लिए मार्गदर्शक जानकारी

छोटा कद क्या होता है?

चिकित्सक विकास चार्ट या ग्रोथ चार्ट के आधार पर छोटे कद का निर्णय करते हैं, न कि आपके बच्चे की लम्बाई उनकी उम्र के बाक़ी बच्चों की तुलना में कैसी है। विकास चार्ट एक निश्चित आयु, लिंग और लम्बाई के बच्चे के औसत विकास को पंक्तियों द्वारा प्रदर्शित करता है। उदाहरण के लिए, यदि किसी लड़के का कद 25वीं परसेंटाइल की रेखा पर है, तो 100 में से लगभग 25 लड़कों का कद उसकी तुलना में कम होगा। विकास चार्ट पर तीसरे या पांचवें परसेंटाइल से कम लम्बाई होने को 'छोटा कद' कहा जाता है। कद बढ़ने की गति या ग्रोथ वेलोसिटी भी बहुत महत्वपूर्ण होती है। यदि एक बच्चा 25वीं या 50वीं परसेंटाइल की रेखा से 10वीं परसेंटाइल की रेखा पर आ जाए, तो उस बच्चे के विकास की जांच होनी चाहिए।

छोटे कद के दो सबसे सामान्य कारण क्या होते हैं?

ज्यादातर छोटे कद के बच्चे बिलकुल स्वस्थ होते हैं। उनकी विकास गति भी सामान्य होती है। ऐसे बच्चों में कोई हार्मोन प्रॉब्लम (जैसे की, ग्रोथ हार्मोन की कमी या लम्बे समय तक चलने वाली बीमारियाँ) होने की संभावना कम होती है। ज्यादातर बच्चों में छोटे कद के कारण 'पारिवारिक छोटा कद' या 'संवैधानिक विकास में देरी' होते हैं। इन दोनों कारणों के बीच क्या अंतर होता है?

पारिवारिक छोटा कद क्या होता है?

इस अवस्था में बच्चे के विकास की गति सामान्य होती है, लेकिन बच्चे के माता या पिता (एक या दोनों) की लम्बाई कम होती है। रक्त की जांच अक्सर सामान्य होती है। कुछ चिकित्सक इस स्थिति में जांच करवाते हैं और कुछ नहीं। कई बार, 7 साल की उम्र से बड़े बच्चों में हाथ के एक्सरे (X-ray) से अंतिम कद का अंदाज़ा मिल सकता है। यदि बच्चे का कद अत्यधिक कम हो, तो पारिवारिक छोटे कद के इलाज के लिए ग्रोथ हार्मोन दिया जाता है। इंश्योरेंस कंपनी हमेशा ग्रोथ हॉर्मोन इलाज के लिए पैसे नहीं देती।

संवैधानिक विकास में देरी क्या होती है?

पारिवारिक छोटे कद के समान, संवैधानिक विकास में देरी से प्रभावित बच्चे भी स्वस्थ होते हैं और उनकी विकास गति भी सामान्य होती है। दोनों स्थितियों में बच्चे का विकास, ग्रोथ चार्ट की रेखाओं से थोड़ा नीचे होता है।

संवैधानिक विकास में देरी से प्रभावित बच्चे के माता-पिता सामान्य कद के होते हैं, लेकिन माता या पिता में से एक के यौवन की शुरुआत में विलंब रहा होता है (माँ को माहवारी 14 साल की उम्र के बाद शुरू हुई हो या पिता का यौवन प्रारंभ 15 साल की उम्र के बाद हुआ हो)। कई अन्य रिश्तेदार जैसे चाचा, मामा, मौसी, बुआ और बढ़े भाई या बहन का विकास भी देरी से हुआ होता है।

रक्त की जांच अक्सर सामान्य होती है। लेकिन हाथ के एक्सरे से उपलब्ध बोन एज (bone age) 1-2 साल पीछे होती है। इसका मतलब यह है कि बच्चे के यौवन की शुरुआत औरों की तुलना में देरी से होगी, लेकिन बच्चे का विकास ज़्यादा लम्बे समय तक होगा। इन बच्चों की लम्बाई अपने परिवार के अन्य सदस्यों के हिसाब से सही होती है। इन बच्चों को ग्रोथ हॉर्मोन इलाज की ज़रूरत नहीं पड़ती। कुछ लड़कों में यदि 14 साल की उम्र तक यौवन के लक्षण नहीं दिखते, तो

टेस्टोस्टेरोन हार्मोन की छोटी खुराक से विकास में सहायता की जा सकती है।

क्या आपके बच्चे को यह दोनों स्थितियां हो सकती हैं?

हां; कुछ बच्चों के माता-पिता छोटे कद के होते हैं और उनके परिवार में यौवन का प्रारम्भ देरी से हुआ होता है। इस स्थिति में बच्चे को दोनों डायगनोसिस हो सकते हैं। हाथ के एक्सरे से मिली बोन एज से बच्चे के अंतिम कद का अंदाज़ा मिल सकता है।

यह जानकारी पीडियाट्रिक एंडोक्राइन सोसाइटी के मरीज शिक्षा अनुभाग की सहायता से छपी है।

PES PEDIATRIC ENDOCRINE SOCIETY